हम भिन्न हैं

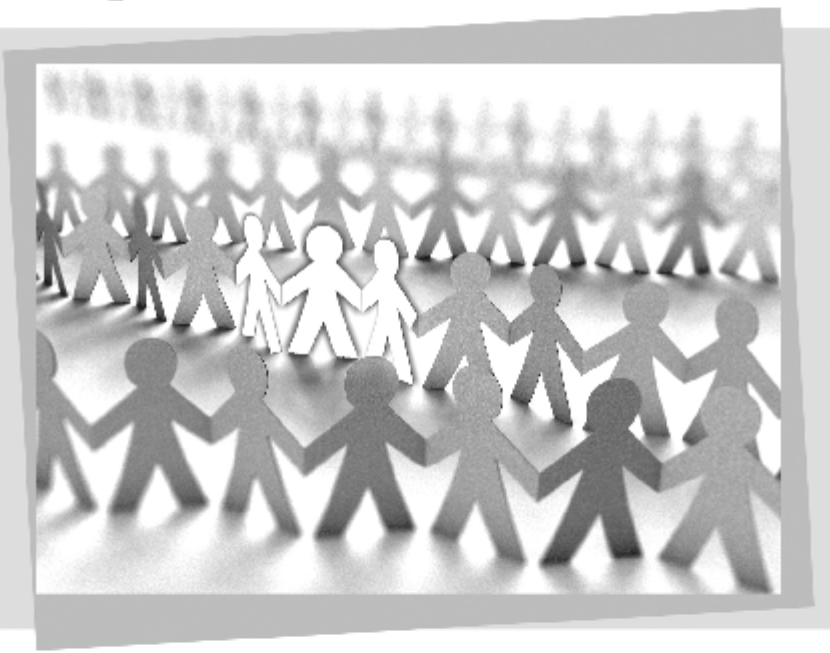

आशीष रायचूर

केवल निःशुल्क वितरण के लिए

ऑल पीपल्स चर्च एंड वर्ल्ड आउटरीच, बैंगलोर, भारत द्वारा निर्मित और वितरित।
वर्तमान संस्करणः 2023

संपर्क जानकारी

All Peoples Church & World Outreach,
319, 2nd Floor, 7th Main, HRBR Layout,
2nd Block, Kalyan Nagar, Bangalore 560 043
Karnataka, INDIA

Phone: +91-80-25452617
Email: **bookrequest@apcwo.org**
Website: **apcwo.org**

अन्यथा जबतक इंगित न किया हो धर्म शास्त्र के सभी संदर्भ पवित्र बाइबल के पुनःसंपादित पुराने संस्करण से अनुमति सहित लिए गए हैं। सर्वाधिकार आरक्षित है।

आर्थिक साझेदारी

इस पुस्तक का निःशुल्क वितरण ऑल पीपल्स चर्च के सदस्यों, सहभागियों और मित्रों की आर्थिक सहायता की वजह से सम्भव हुआ है। यदि आपने इस निःशुल्क प्रकाशन के माध्यम से आशीष पाई है, तो हम आपको ऑल पीपल्स चर्च के निःशुल्क प्रकाशनों के मुद्रण और वितरण में सहायता के लिए आर्थिक रूप से योगदान देने हेतु आमंत्रित करते हैं। कृपया **apcwo.org/give** पर जाएं या अपना योगदान कैसे करें यह देखने हेतु इस पुस्तक के पीछे "ऑल पीपल्स चर्च के साथ प्रतिभागिता" पृष्ठ देखें। धन्यवाद!

निःशुल्क संसाधन

उपदेशः apcwo.org/sermons | **पुस्तकेंः** apcwo.org/books | **चर्च ऐपः** apcwo.org/app
बाइबिल कॉलेजः apcbiblecollege.org | **ई-लर्निंगः** apcbiblecollege.org/elearn
परामर्शः chrysalislife.org | **संगीतः** apcmusic.org
मिनिस्टर्स फेलोशिपः pamfi.org | **ए.पी.सी. वर्ल्ड मिशंसः** apcworldmissions.org

(Hindi - We are different)

हम
भिन्न हैं

विषयसूची

1.	अंधकार से ज्योति में बुलाए गए	1
2.	परमेश्वर का वचन बनाम विश्व की संस्कृति	7
3.	हम भिन्न हैं	9

1
अंधकार से ज्योति में बुलाए गए

1 पतरस 2:9
पर तुम एक चुना हुआ वंश, और राज-पदधारी याजकों का समाज, और पवित्र लोग, और (परमेश्वर की) निज प्रजा हो, इसलिये कि जिसने तुम्हें अन्धकार में से अपनी अद्‌भुत ज्योति में बुलाया है, उसके गुण प्रगट करो।

आप और मैं *"परमेश्वर की निज प्रजा हैं।"* यदि आप मसीही–विश्वासी हैं–तो आप योग्यता रखते हैं! बाइबल समझाती है कि हम *"चुना हुआ वंश, और राज-पदधारी याजकों का समाज, और पवित्र लोग, और (परमेश्वर की) निज प्रजा हैं"* क्योंकि हमें उसके गुण प्रगट करना है, घोषित करना है, और प्रकाशित करना है, जिसने हमें अंधकार से अपनी अद्‌भुत ज्योति में लाया। इसलिए, जब लोग हम मसीहियों को देखते हैं, तब उन्हें यह देखने की ज़रूरत है कि वह परमेश्वर जिसने हमें बुलाया **है,** कितना अद्‌भुत, गुणवान, सिद्ध, और महान है। आप और मैं यहां पृथ्वी पर परमेश्वर को अच्छा दिखाने के लिए हैं!

बाइबल कहती है कि हमें *"अंधकार से उसकी ज्योति में"* बुलाया गया है। एक समय हम अंधकार के वातावरण में जी रहे थे। उसने हमारी विचार प्रक्रियाओं को, आचरणों को, और संस्कृतियों को रूप दिया। परंतु परमेश्वर ने हमें उसमें से बाहर निकाला और हमें ज्योति में लाया। अब ज्योति हमारा वातावरण है, और वह हमारे विचारों की प्रक्रियाओं को, आचरणों को, और संस्कृतियों को आकार देती है। और क्योंकि हम ज्योति हैं और अंधकार का हिस्सा नहीं हैं, इसलिए हम सचमुच भिन्न **हैं**। आमेन!

अंधकार–जैसा उसे नए नियम में समझाया गया है

वह स्थान जहां बुरे काम करने वाले छिपते हैं

यूहन्ना 3:19

और दंड की आज्ञा का कारण यह है कि ज्योति जगत में आई है, और मनुष्यों ने अन्धकार को ज्योति से अधिक प्रिय जाना क्योंकि उन के काम बुरे थे।

लोगों ने ज्योति से अधिक अंधकार से प्रेम किया क्योंकि उनके काम बुरे थे। इसलिए, अंधकार वह स्थान है जहां बुरे काम करने वाले छिपना चाहते हैं।

शैतान की ताकत

प्रेरितों के काम 26:18

कि तू उन की आंखे खोले, कि वे अंधकार से ज्योति की ओर, और शैतान के अधिकार से परमेश्वर की ओर फिरें; कि पापों की क्षमा, और उन लोगों के साथ जो मुझ पर विश्वास करने से पवित्र किए गए हैं, मीरास पाएं।

प्रभु ने पौलुस से कहा, "मैं चाहता हूं कि तू लोगों को अंधकार से ज्योति की ओर लाए, और शैतान के अधिकार से परमेश्वर की ओर लाए।" इसलिए, *"अंधकार"* यह शब्द *"शैतान के अधिकार या सामर्थ"* का उल्लेख करता है।

वे जो आत्मिक रीति से अंधे हैं

रोमियों 2:19

और अपने पर भरोसा रखता है, कि मैं अन्धों का अगुवा, और अन्धकार में पड़े हुओं की ज्योति।

उद्धार न पाए हुओं का क्षेत्र

2 कुरिन्थियों 6:14,15

[14] अविश्वासियों के साथ असमान जूए में न जुतो, क्योंकि धार्मिकता और अधर्म का क्या मेल जोल? या ज्योति और अन्धकार की क्या संगति?

[15] और मसीह का बलियाल के साथ क्या लगाव? या विश्वासी के साथ अविश्वासी का क्या नाता?

2 कुरिन्थियों 6:14 और 15 में, *"अंधकार"* यह शब्द उद्धार न पाए हुओं के क्षेत्र का उल्लेख करता है—अधर्म का राज्य, शैतान का राज्य।

अंधकार के शैतानी हाकिम

इफिसियों 6:12
क्योंकि हमारा यह मल्लयुद्ध, लहू और मांस से नहीं, परन्तु प्रधानों से और अधिकारियों से, और इस संसार के अन्धकार के हाकिमों से, और उस दुष्टता की आत्मिक सेनाओं से है जो आकाश में हैं।

हम अंधकार की शक्तियों के खिलाफ़ लड़ते हैं—अंधकार के शासक। इसलिए फिर एक बार, अंधकार का उल्लेख उस राज्य के रूप में किया जाता है जिनमें दुष्टात्माएं कार्य करती हैं। यह निश्चित रूप से अच्छा वातावरण नहीं है!

प्रकाश या ज्योति—जैसे उसे नए नियम में समझाया गया है

हम सभी विश्वासियों के लिए सुसमाचार यह है कि हमें अंधकार से ज्योति में लाया गया है।

यीशु ज्योति है

यीशु के पीछे चलने वाले अंधकार में नहीं चलेंगे।

यूहन्ना 8:12
तब यीशु ने फिर लोगों से कहा, "जगत की ज्योति मैं हूं; जो मेरे पीछे हो लेगा, वह अन्धकार में न चलेगा, परन्तु जीवन की ज्योति पाएगा।"

यूहन्ना 12:46
मैं जगत में ज्योति होकर आया हूं ताकि जो कोई मुझ पर विश्वास करे, वह अन्धकार में न रहे।

प्रभु यीशु का राज्य

ज्योति या प्रकाश प्रभु यीशु के राज्य का उल्लेख करता है।

कुलुस्सियों 1:13
उसी ने हमें अन्धकार के वश से छुड़ाकर अपने प्रिय पुत्र के राज्य में प्रवेश कराया।

दिन के बच्चे

1 थिस्सलुनीकियों 5:5
क्योंकि तुम सब दिन की सन्तान, और दिन की सन्तान हो, हम न रात के हैं, न अन्धकार के हैं।

परमेश्वर ज्योति है और उसमें कोई अंधकार नहीं है। इसलिए नए नियम में *"ज्योति"* शब्द उस क्षेत्र का उल्लेख करता है जहां परमेश्वर है।

1 यूहन्ना 1:5,6
5 जो समाचार हम ने उस से सुना, और तुम्हें सुनाते हैं, वह यह है; कि परमेश्वर ज्योति है और उस में कुछ भी अन्धकार नहीं।
6 यदि हम कहें, कि उसके साथ हमारी सहभागिता है, और फिर अन्धकार में चलें, तो हम झूठे हैं: और सत्य पर नहीं चलते।

इफिसियों 5:8,11
8 क्योंकि तुम तो पहले अन्धकार थे परन्तु अब प्रभु में ज्योति हो, सो ज्योति की सन्तान की नाईं चलो।
11 और अन्धकार के निष्फल कामों में सहभागी न हो, वरन उन पर उलाहना दो।

एक समय हम अंधकार थे, परंतु अब हम प्रभु में ज्योति हैं। और हमें अंधकार के निष्फल कामों में हिस्सा नहीं लेना है।

रोमियों 12:1,2
1 इसलिये हे भाइयों, मैं तुम से परमेश्वर की दया स्मरण दिला कर बिनती करता हूं, कि अपने शरीरों को जीवित, और पवित्र, और परमेश्वर को भावता हुआ बलिदान करके चढ़ाओ : यही तुम्हारी आत्मिक सेवा है।
2 और इस संसार के सदृश न बनो; परन्तु तुम्हारी बुद्धि के नये हो जाने से तुम्हारा चाल-चलन भी बदलता जाए, जिस से तुम परमेश्वर की भली, और भावती, और सिद्ध इच्छा अनुभव से मालूम करते रहो।

मेसेज बाइबल इसे इस प्रकार समझाता है, *"अपनी संस्कृति के साथ इस तरह न मिल जाएं कि आप बिना सोचे समझे उसमें ढल जाएं"* (रोमियों 12:2अ)।

सदृश्य बनना = दूसरे का स्वरूप, रचना, या रूप धारण करना।

यह किसी भी आदत, आचरण, वेशभूषा या जीवनशैली का उल्लेख कर सकता है जो संसार ने धारण किया है।

युग (यूनानी *ऐओन*) = युग, या लोगों की पीढ़ी।

बदलते जाना = दूसरा स्वरूप धारण करना

विश्वासी होने के नाते, हमारी जीवनशैली में एक सच्चा और मौलिक अंतर होना चाहिए। एक समय हम अंधकार में थे परंतु अब हम प्रभु में ज्योति हैं और इसलिए हमें ज्योति की संतान के रूप में चलना है। "चलना" शब्द केवल उस जगह का उल्लेख नहीं करता जहां हम चलते हैं, परंतु हमारे संपूर्ण अस्तित्व का उल्लेख करता है—हमारे जीवन, जिस तरह से हम जीते हैं, हमारे आचरण, सारांश रूप में हमारे जीवन का सबकुछ—जो उन लोगों के अनुसार हो जो ज्योति में जीवन बिताते हैं और न कि अंधकार में जीने वालों के समान। जब हम ज्योति में रहने वालों को समान जीवन बिताते हैं, तब हम उन लोगों के विरोध में नहीं दौड़ेंगे जो अंधकार में चलते हैं। क्योंकि संसार अंधकार है और हम ज्योति हैं, और इसलिए हम उन्हें अजीब प्रतीत होते होंगे। हम उन्हें विदेशी के समान लगते होंगे और हो सकता है कि वे हमें समझ न पाएं। क्यों? क्योंकि हम ज्योति हैं! और हम उन लोगों के पूरी तरह से विरुद्ध होंगे जो अंधकार में हैं।

बाइबल हमें सिखाती है कि हम ज्योति की संतान जैसे चलें। इसलिए हम उन लोगों से विरुद्ध दिशा में जाएंगे जो अंधकार के लोग हैं। हम भिन्न हैं! हमारी सहभागिता अंधकार के निष्फल कामों से नहीं होनी चाहिए, बल्कि हमें उन्हें उजागर करना है। क्योंकि हम ज्योति के लोग हैं, इसलिए हमें ज्योति के अनुसार जीवन बिताना है। हमें अंधकार में रहने वाले लोगों के साथ ऐसी कोई सहभागिता या साझेदारी नहीं करना है। जब हम "सहभागिता" इस शब्द के बारे में बोलते हैं, तब हम एक ही *जहाज* के दो लोगों की कल्पना कर सकते हैं! बाइबल हमें संसार के "जहाज" में "प्रवेश करने"

के विरोध में चेतावनी देती है क्योंकि हम उन लोगों के साथ सहभागिता नहीं रख सकते जो अंधकार में हैं। बल्कि हमें उन्हें उजागर करना है। हमें अपने ही जहाज की सवारी करना है—ज्योति का जहाज। संसार अंधकार के जहाज में जा रहा होगा, लेकिन हम वहां उनके साथ छलांग नहीं लगा सकते। हम उनके कामों के साथ सहभागिता नहीं रख सकते—अंधकार के कामों के साथ। हम उन्हीं कामों में जो वे करते हैं उनके साथ साझेदार नहीं बन सकते क्योंकि हम ज्योति हैं।

परमेश्वर का वचन हमें संसार के अनुसार खुद को न ढालने के लिए कहता है बल्कि बदल जाने के लिए कहता है। शब्द "रूपांतरित" जैसा कि पहले बताया गया है, ग्रीक शब्द *'मेटहमोरफोज'* से आया है। यह एक इल्ली और एक तितली के बीच का अंतर है। इसी तरह, हमें अलग-अलग रूपों, व्यवहारों और विचारधाराओं को भी अपनाना चाहिए। हमें इस दुनिया के अनुरूप नहीं होना चाहिए—इस संसार के आचरण, आदत, जीवनशैली और व्यवहार को देखते हुए।

जब हम बदल जाते हैं, तो हम वास्तव में संसार से अलग होते हैं। तो, आप और मैं संसार के अनुरूप नहीं रह सकते; हमें परमेश्वर ने संसार से अलग होने के लिए, बदल जाने के लिए बुलाया है।

2
परमेश्वर का वचन बनाम विश्व की संस्कृति

हम जिस संस्कृति में रहते हैं, उससे कहीं अधिक उच्च अधिकार परमेश्वर का वचन है

हमें यह समझना चाहिए कि हम जिस संस्कृति में रहते हैं, वह ज्योति की तुलना में अंधकार से अधिक प्रभावित है! हम संसार की संस्कृति के अनुसार नहीं जीते हैं, बल्कि ज्योति की संस्कृति के अनुसार–उस राज्य की संस्कृति के अनुसार जीते हैं जिसका हम हिस्सा हैं। यह "राज्य संस्कृति" हमारे लिए परमेश्वर के वचन में लिखी गई है। संसार की संस्कृति में जो स्वीकार्य हो सकता है वह परमेश्वर के लिखित वचन का खंडन कर सकता है। परंतु परमेश्वर हमसे अपेक्षा करता है कि हम उसके वचन का पालन करें। हम समर्पित लोग होंगे। हम उसके अपने खास लोग होंगे जो उसके गुणों को प्रगट करेंगे जिसने हमें अंधकार में से उसकी ज्योति में बुलाया है।

रोमियों 12:2अ (द मेसेज बाइबल)
और इस संसार के सदृश न बनो; परन्तु तुम्हारी बुद्धि के नये हो जाने से तुम्हारा चाल-चलन भी बदलता जाए।

हममें से कई लोग केवल इसलिए कई काम करते हैं क्योंकि वे उस संस्कृति का जिसमें हम रहते हैं, हिस्सा हैं। बाइबल हमें चेतावनी देती है कि हम उस संस्कृति के बारे में बिना सोचे-समझे ढल न जाएं। यह इसलिए क्योंकि परमेश्वर का वचन जो कहता है वह उस संस्कृति से जिसमें हम जीते हैं ज्यादा महत्वपूर्ण है। यदि संसार की संस्कृति में ऐसा कुछ है जो परमेश्वर के वचन का खंडन करता है, तो हमारा एकमात्र चुनाव परमेश्वर के वचन की आज्ञा मानना होना चाहिए क्योंकि वह हमारी संस्कृति से श्रेष्ठ है। इसीलिए बाइबल हमें सिखाती है: *"इस संसार के सदृश न बनो"* (रोमियों 12:2अ)।

"युग" के लिए दिया गया यूनानी शब्द है *'ऐओन'* जो वर्तमान समय के आचरण का उल्लेख करता है। अपने आसपास की संस्कृति के अनुरूप अपने आपको न ढालें, बल्कि बदलते जाएं। यह परमेश्वर की आज्ञा है, केवल सुझाव नहीं है। आमेन!

3
हम भिन्न हैं

कम से कम दो ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें आप और मैं संसार से भिन्न हैं।

हम खराई और ईमानदारी के प्रति समर्पित हैं

संसार खराई और ईमानदारी की परवाह नहीं करती क्योंकि वे अंधकार में हैं। लेकिन क्योंकि बाइबल कहती है कि हम ज्योति के लोग हैं, हमें ज्योति की संतानों की तरह चलना होगा, खराई और ईमानदारी के प्रति समर्पित होना होगा।

1 पतरस 2:9-12

[9] पर तुम एक चुना हुआ वंश, और राज-पदधारी याजकों का समाज, और पवित्र लोग, और (परमेश्वर की) निज प्रजा हो, इसलिये कि जिस ने तुम्हें अन्धकार में से अपनी अद्‌भुत ज्योति में बुलाया है, उसके गुण प्रगट करो।
[10] तुम पहिले तो कुछ भी नहीं थे, पर अब परमेश्वर ही प्रजा हो : तुम पर दया नहीं हुई थी पर अब तुम पर दया हुई है;
[11] हे प्रियों मैं तुम से बिनती करता हूं, कि तुम अपने आप को परदेशी और यात्री जान कर उस सांसारिक अभिलाषाओं से जो आत्मा से युद्ध करती हैं, बचे रहो।
[12] अन्यजातियों में तुम्हारा चालचलन भला हो; इसलिये कि जिन जिन बातों में वे तुम्हें कुकर्मी जान कर बदनाम करते हैं, वे तुम्हारे भले कामों को देख कर। उन्हीं के कारण कृपा-दृष्टि के दिन परमेश्वर की महिमा करें।

हमें उसके गुणों को प्रगट करना है जिसने *"तुम्हें अन्धकार में से अपनी अद्‌भुत ज्योति में बुलाया है।"* विश्वासियों के नाते, हमें "अन्यजातियों"—उद्धार न पाए हुए जगत के सामने आदर और ईमानदारी के साथ चलने के लिए बुलाया गया है। इसलिए ज्योति के लोग होने के नाते, हमें खराई और ईमानदारी के प्रति समर्पित होना चाहिए। जब लोग हमारी ओर देखते हैं, तो उन्हें समझना है कि हम भिन्न हैं, क्योंकि हम खराई और ईमानदारी के प्रति समर्पित हैं।

विद्यार्थियों के नाते

उदाहरण के लिए, स्कूल या कॉलेज में यह मान लें कि जब आप अपनी परीक्षा लिख रहे होते हैं तो निरीक्षक चाय पीने के लिए बाहर जाता है और बाकी सब नकल करने लगते हैं। और आपके बगल में बैठा व्यक्ति आपसे भी ऐसा ही करने को कहता है। लेकिन आपको अपनी परीक्षा में नकल करने या धोखा करने से मना कर देना चाहिए, इसलिए नहीं कि आप डरते हैं कि निरीक्षक वापस आ जाएगा, बल्कि इसलिए कि आप जानते हैं कि आप ज्योति की संतान हैं।

वैसे ही अपने गृहकार्य को करते समय, आपके कक्षामित्र द्वारा तैयार किए गए कार्य की नकल करके यह न कहें कि वह आपका काम है। क्यों नहीं? क्योंकि आप खराई और ईमानदारी के प्रति समर्पित हैं!

व्यवसायी के रूप में

व्यवसायी के रूप में भी आपको अपने जीवन में सच्चाई रखना है। आप न केवल एक व्यवसायी हैं, बल्कि ज्योति की संतान भी हैं, जो आपको एक व्यवसायी से अलग बनाता है जो अंधेरे में है। आप में से दो एक ही व्यवसाय के क्षेत्र में हो सकते हैं, लेकिन आप दो पूरी तरह से अलग लोग हो सकते हैं। और सिर्फ इसलिए कि आप ईमानदारी और सच्चाई के लिए समर्पित हैं, आप अपने संक्षिप्त विवरण में झूठ बोलने का चुनाव नहीं करते हैं।

जब मैं अपनी पहली नौकरी के लिए आवेदन कर रहा था, तब तक मैंने अपना सारा समय विश्वविद्यालय में शोध करने में बिताया था। जब मेरे लिए विश्वविद्यालय के बाहर नौकरी पाने का समय था, मैंने वही किया जो हर कोई करता हैः अपना बायोडाटा एक प्लेसमेंट एजेंसी को दे देना। मेरे एक मित्र ने मुझे न्यू जर्सी में एक प्लेसमेंट एजेंसी से मिलवाया था, जो भारतीयों द्वारा चलाई जाती थी। इसलिए मैंने उन्हें अपना बायोडाटा इस उम्मीद के साथ दिया कि उन्हें आसानी से एक अच्छी नौकरी मिल जाएगी जैसा उन्होंने वादा किया था। बाद में मुझे उनका फोन आया कि उन्हें मेरे विवरण में कुछ बदलाव करने की ज़रूरत है। उन्होंने मेरे विवरण में "फिर

से काम" किया और रातोंरात मुझे उन कंपनियों में लगभग दो से तीन साल का कार्य अनुभव मिल गया जिनके बारे में मैंने कभी नहीं सुना था! **यहां एक विकल्प था**—मैं या तो प्रकाश की संतान हो सकता हूं और अलग होना चुन सकता हूं या मैं अंधेरे और झूठ की संतान हो सकता हूं। मैंने एजेंसी के साथ बातचीत करना बंद कर दिया और कहा कि मैं उनके द्वारा तैयार किए गए रेज़्यूमे का उपयोग नहीं कर सकता। मेरा रेज़्यूमे एक पेज का एक साधारण रेज़्यूमे था! फिर मैंने यह विश्वास करते हुए इसे सीधे भेज दिया कि परमेश्वर मुझे एक अच्छी कंपनी में नौकरी प्रदान करेगा, जहां मैं उद्योग में मौजूद कुछ उत्तम बातों को सीखूंगा। और परमेश्वर ने ऐसा किया! मुझे अपने रेज़्यूमे में के विषय में झूठ या बनावटी कुछ भी नहीं लिखना था।

हमारे संगठन के लिए लोगों का साक्षात्कार लेते समय, एक बार एक युवक था जिसने हमारे तकनीकी परीक्षण में अच्छा प्रदर्शन किया था, और साक्षात्कार के अंतिम दौर में मुझसे बात करने आया था। जब मैंने उससे पूछा कि वह किसके लिए काम करता है, तो उसने किसी कंपनी का नाम बताया और मुझे अपनी वेबसाइट का पता दिया। लेकिन जब मैंने उसके द्वारा दिए गए यूआरएल की जाँच की, तो वह एक खोज इंजन कंपनी की तरह लग रहा था, न कि उस सॉफ़्टवेयर डेवलपमेंट कंपनी, जिसके बारे में उसने कहा था। जब मैंने उसके साथ दोबारा जांच की, तो उसने जवाब दिया कि कंपनी ने अपनी वेबसाइट बदल दी होगी। फिर जब मैंने उनसे उनका फोन नंबर मांगा तो उन्होंने जवाब दिया कि उन्होंने अपना सिम कार्ड बदल लिया है और इसलिए उनका नंबर नहीं है। मैंने उससे उनका कोई लैंडलाइन नंबर मांगा और उसंने कहा कि उसे यह भी नहीं पता। मैंने उससे पूछा कि उसके लिए एक साल तक उस कंपनी में काम करना और फिर भी अपना लैंडलाइन नंबर याद न होना कैसे संभव हो सकता है, जबकि ज्यादातर कंपनियों में कर्मचारियों को कुछ दिनों के लिए वहां काम करने के बाद उनके कार्यालय के फोन नंबरों का पता चल जाता है। तब युवक ने आखिरकार स्वीकार किया कि उसने अपने रेज्यूमे में काम के अनुभव के बारे में झूठ कहा था।

ऐसा ही एक उदाहरण दूसरे शहर में एक मसीही सम्मेलन में हुआ, जहाँ मैं तीन दिनों से प्रचार कर रहा था। सत्रों के बीच, मेरा परिचय एक ऐसे युवक से हुआ जो अभी-अभी बंगलौर गया था और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट के एक निश्चित क्षेत्र में नौकरी की तलाश में था। मैंने उससे उसका नाम, योग्यता और पृष्ठभूमि पूछी। उसने जवाब दिया कि उसने "तीन महीने का कोर्स किया था लेकिन पांच साल के अनुभव पर जा रहा था।" मुझे यह समझने की ज़रूरत थी कि उसका इससे क्या मतलब है और इसलिए जब हम बैंगलोर लौटे तो मैंने उसे मुझसे मिलने के लिए कहा। बाद में वह मुझसे मिला और बताया कि वह दो साल से एक पास्टर के साथ काम कर रहा था, पूर्णकालीन सेवकाई में उसकी मदद कर रहा था। कुछ समय बाद, उसे नौकरी पाने की आवश्यकता महसूस हुई और इसलिए उसने तीन महीने के लिए एक व्यावसायिक पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया। उस कोर्स के बाद, उसने यह कहते हुए अपना बायोडाटा लिखा कि उसके पास पांच साल का कार्य अनुभव था, हालांकि वास्तव में ऐसा नहीं था। उसने आगे कहा कि वह मुझे केवल इसलिए सच बता रहा था क्योंकि मैं एक पास्टर था। मुझे नहीं पता था कि कैसे प्रतिक्रिया दूं लेकिन मुझे खुशी है कि उसने कम से कम मुझे सच तो बताया था। हालांकि, मुझे इस बात का दुख था कि कोई व्यक्ति जो दो साल से कलीसिया में पूर्णकालीन रूप से परमेश्वर की सेवा कर रहा था, वह सिर्फ नौकरी पाने के लिए झूठ बोलेगा।

बाइबल कहती है कि हमें ज्योति की संतान के रूप में चलना है, जिसका मतलब यह है कि व्यवसायी के रूप में हमारी ईमानदारी में कोई समझौता नहीं होना चाहिए। मसीही के रूप में पेशेवर या कर्मचारी के रूप में, सुनिश्चित करें कि आप दफ्तर की सुविधाओं का गलत इस्तेमाल न करें। बाइबल भी यही कहती है।

तीतुस 2:9,10

[9] दासों को समझा, कि अपने अपने स्वामी के आधीन रहें, और सब बातों में उन्हें प्रसन्न रखें, और उलट कर जवाब न दें।

[10] चोरी चालाकी न करें; पर सब प्रकार से पूरे विश्वासी निकलें, कि वे सब बातों में हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर के उपदेश को शोभा दें।

सेवकों को—कर्मचारियों को—प्रोत्साहन दें कि वे अपने अपने मालिकों के या अपने नियोक्ताओं के प्रति आज्ञाकारी रहें। कर्मचारियों को सब बातों में अपने अपने अधिकारियों को प्रसन्न करना है और उनके साथ अभद्रता का व्यवहार नहीं करना है। यह बाइबल आधारित प्रबंधन सिद्धांत है। कर्मचारियों को चोरी नहीं करना चाहिए परंतु विश्वसनीयता प्रगट करना चाहिए, ताकि वे *"सब बातों में हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर के उपदेश की शोभा बढ़ाएँ"* अतः मसीही कर्मचारी के रूप में, यदि बाकी सभी लोग आपके दफ्तर में गलत काम करते हैं तो आप वैसा न करें। आपको अलग दिखाई देना है। हो सकता है कि आपकी कम्पनी की यह अकथित संस्कृति होगी कि आपको दिए जाने वाले वेतन के अलावा, कर्मचारी सबकुछ अपने दफ्तर से ले लेते हैं। लेकिन क्योंकि आप ज्योति की संतान हैं और आपको कर्मचारी के नाते अंधकार से ज्योति में बुलाया गया है इसलिए आपको जो वेतन दिया जाता है केवल उसी को लें और उसके लिए परिश्रम करें।

आप संसार को कैसे दिखाएंगे कि आप एक कुटिल और दुष्ट पीढ़ी के मध्य ज्योति की संतान हैं? बाइबल हमें सिखाती है कि हम ईमानदार लोगों के रूप में जीवन बिताएं और सबकुछ बिना शिकायत के और कुड़कुड़ाहट के करें, ताकि हम दुष्ट और कुटिल पीढ़ी के मध्य अपने आपको ज्योति की संतान के रूप में दिखा सकें।

फिलिप्पियों 2:14,15

[14] सब काम बिना कुड़कुड़ाए और बिना विवाद के किया करो।
[15] ताकि तुम निर्दोष और भोले होकर टेढ़े और हठीले लोगों के बीच परमेश्वर की निष्कलंक सन्तान बने रहो, (जिन के बीच में तुम जीवन का वचन लिए हुए जगत में जलते दीपकों की नाईं दिखाई देते हो)।

यदि दफ्तर में हमारे साथी कुड़कुड़ाते हैं, और हम भी उनके साथ सहभागी होते हैं, तो उनके और हमारे बीच में क्या अंतर है? हमें सबकुछ बिना शिकायत करते और बिना कुड़कुड़ाते करने के द्वारा यह दिखाने की ज़रूरत है कि हम ज्योति की संतान हैं। आमेन!

हम में से जो नियोक्ता व्यवसाय चलाते हैं और अपने कर्मचारियों के वेतन के बारे में फैसला लेते हैं, बाइबल हमसे कहती है कि हम लोगों का शोषण न करने पाएं या वेतन को रोककर न रखें।

लैव्यव्यवस्था 19:13
एक दूसरे पर अन्धेर न करना, और न एक दूसरे को लूट लेना। और मज़दूर की मज़दूरी तेरे पास सारी रात बिहान तक न रहने पाए।

यदि आपके लिए लोग काम करते हैं, तो सुनिश्चित करें कि उन्हें समय पर वेतन दिया जाए। शायद आप यह कहते हों कि कभी-कभी वेतनों को रोककर रखना "भारतीय कम्पनी की संस्कृति है।" परंतु सुनिए, हम उस संस्कृति के नहीं हैं, लेकिन परमेश्वर के राज्य की संस्कृति को हमने अपनाया है! और परमेश्वर कहता है कि हमें उस व्यक्ति के वेतन को नहीं रोक रखना है जिसे हमने काम पर रखा है। यदि आपके कर्मचारी ने यह काम किया है, तो उसे वेतन दीजिए।

यिर्मयाह 22:13
उस पर हाय जो अपने घर को अधर्म से और अपनी उपरौठी कोठरियों को अन्याय से बनवाता है; जो अपने पड़ोसी से बेगारी में काम कराता है और उसकी मज़दूरी नहीं देता।

अपने पड़ोसी को बिना कुछ मेहनताना दिए, उसकी सेवाओं का इस्तेमाल न करें। गृहिणियों, यदि आपके लिए नौकरानियां काम करती हैं, तो उन्हें समय पर वेतन दें। अलग दिखाई देने की कोशिश करें।

जब मैं लोगों का साक्षात्कार लेता हूं, तो मैं उनसे पूछता हूं कि वे अपनी वर्तमान नौकरी क्यों छोड़ना चाहते हैं। उनमें से कुछ मुझे बताते हैं कि उन्हें करीब छः महीनों से वेतन नहीं दिया गया है! ये कर्मचारी 700 लोगों के साथ एक बड़ी कम्पनी में काम कर रहे थे। परमेश्वर इस प्रकार की कार्य संस्कृति पसंद नहीं करता।

एक ठेकेदार ने बैंगलोर में एक बड़ी सॉफ्टवेयर कम्पनी के लिए एक बड़ी छत तैयार की थी जिसे पूरा करने के लिए उसने लाखों रूपए लगा

दिए, फिर भी दो सालों तक उसे पैसा नहीं दिया गया। ज्योति की संतान होने के नाते और कर्मचारियों के रूप में, हमें जीवन के सभी क्षेत्रों में खराई और ईमानदारी बनाए रखना सीखना है, जिसमें हमारा बोलना और आचरण सम्मिलित है।

इफिसियों 6:9
और हे स्वामियों, तुम भी धमकियां छोड़कर उन के साथ वैसा ही व्यवहार करो, क्योंकि जानते हो, कि उन का और तुम्हारा दोनों का स्वामी स्वर्ग में है, और वह किसी का पक्ष नहीं करता।

एक व्यक्ति के साथ मेरी मुलाकात के दौरान, आयोजनकर्ता ने मुझे कॉफी दी और मैंने उसे स्वीकार कर लिया। हमारे साथ जो दूसरा व्यक्ति था उसने यह कहकर इन्कार कर दिया कि उसने अभी अभी नाश्ता किया था। जब आयोजनकर्ता से मैंने कहा कि वह मेरे साथ नाश्ता करे, तो उसने यह कहकर जबाब दिया कि वह उपवास कर रहा है। तुरंत उस दूसरे व्यक्ति ने जिसने अभी अभी कहा था कि उसने नाश्ता किया है, यह कहा कि वह भी उपवास कर रहा है, केवल आयोजनकर्ता को प्रभावित करने के लिए। मैं सोचता हूं कि मसीहियों के बीच "ईमानदारी" का क्या हुआ है। क्या हमें संसार से अलग दिखाई नहीं देना है? क्या हमें ज्योति के लोग नहीं बनना है? क्या हमें ऐसे लोग नहीं बनना है जो संसार के सदृश्य न हों, परंतु परमेश्वर के मार्गों और विचारों के अनुसार बदलते जाएं और जीवन बिताएं?

हम शुद्धता और शालीनता के प्रति समर्पित हैं

1 पतरस 2:11ब
उस सांसारिक अभिलाषाओं से जो आत्मा से युद्ध करती हैं, बचे रहो।

शरीर की अभिलाषाओं से दूर रहें। जिसने हमें अंधकार से अपने अद्भुत प्रकाश में लाया है, उसके गुणों को प्रगट करने वाले लोगों के रूप में, हमें शारीरिक वासनाओं से दूर रहना है। हमें शुद्धता और शालीनता के प्रति समर्पित रहना है।

जवान स्त्रियों

धर्मी युवा स्त्री का एक उत्तम उदाहरण है रिबेका सेंट जेम्स, एक सुविख्यात मसीही रॉक कलाकार। वह कई मसीही गीतों को गाती है जिन्हें किशोर और युवा बच्चे सुनते हैं। Familylife.com के लिए एमी गुडमन के साथ हुए साक्षात्कार में उन्होंने शालीनता के प्रति समर्पित शीर्षक पर चर्चा की।

उस प्रसारण से निम्नलिखित बातें ली गई हैं:

रिबेका कहती है, *"मुझे लगता है कि मैंने अपना आकर्षण का बोध अन्य बातों में रखा है। आप जानते हैं कि जिस तरह के वस्त्र मैं पहनती हूं उससे एक विशिष्ट प्रकार के लड़कों को आकर्षित किया जा सकता है। और जिस व्यक्ति को मैं अपना पति होने के लिए चाहती हूं वह शुद्धता के प्रति समर्पित हो, वासना में नहीं जीना चाहता। यदि मैं भड़काऊ वस्त्र पहनती हूं तो मैं उस प्रकार के व्यक्ति को आकर्षित करूंगी जिसे उससे कोई आपत्ति नहीं है, और वे वस्त्र कहते हैं कि मैं अपवित्र हूं, लेकिन इस लड़के को उससे कोई समस्या नहीं। परंतु यदि मैं शालीनता के साथ वस्त्र पहनती हूं तो मैं ऐसे व्यक्ति को आकर्षित करूंगी जो उस बात का आदर करता है और इस बात की सराहना करता है। इसलिए मुझे उस तरह के वस्त्र पहनना ठीक लगता है।*

मुझे मस्त, आधुनिक वस्त्र पहनना अच्छा लगता है और ऐसी चीज है ढूंढना जो शालीन है और अंग प्रदर्शन नहीं करती है और शरीर पर बहुत अधिक चिपके नहीं हैं। ऐसे वस्त्र पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन यह लड़ाई उचित है क्योंकि मैं शालीन होने में और दूसरी जवान स्त्रियों को गुमराह न करने में विश्वास रखती हूँ, और साथ ही साथ मैं मस्ती में अपने भाइयों को ठोकर देना नहीं चाहती और उनके मन में वासना उत्पन्न करना नहीं चाहती।

आप जानते हैं कि कई बार मेरे पिता को यदि कोई चीज अच्छी नहीं लगती, उन्हें लगता है कि मैंने ठीक कपड़े नहीं पहने हैं तो वे कहेंगे, "यह लड़कों को आकर्षित करने वाली पोशाक है।" और मुझे उस बारे में चिढ़ाएंगे क्योंकि जिस वस्त्र से उन्हें समस्या होती है उसके बारे में वह मुझे सीधे-

सीधे साफ़-साफ़ तौर पर कह देते हैं। कभी-कभी मुझे लगता है पापा के मन में छोटी लड़की, छोटी बेटी वाला विचार होता है। आप जानते हैं, जिसकी वजह से वह मेरे पहरावे के बारे में थोड़ी ज्यादा आलोचना करते हैं। माँ उन्हें संतुलित करती है। इसलिए मैं अपनी किशोरावस्था के बारे में दोनों के बीच में सोचती हूं। विशेष रूप से, मुझे कुछ अच्छी संतुलित प्रतिक्रिया मिली है। अगर यह सिर्फ मेरे पिताजी थे, तो यह एक तरफ से थोड़ा और अधिक गलत हो सकता था, खासकर रूढ़िवादी पक्ष। उन्होंने हमेशा मुझे प्रोत्साहित किया, और मुझे लगता है, विशेष रूप से मेरी मां ने जिस तरह से कपड़े पहने, ऐसे वस्त्र पहने जो बहुत अधिक शरीर प्रदर्शन नहीं करते थे, स्कर्ट और शॉर्ट्स जो बहुत छोटे नहीं थे, जो चीजें बहुत तंग नहीं थीं। यह ऐसा है जैसे मैं हमेशा से जानती थी, गहराई से, कि यह भी जीने का सही तरीका था। और मैं भी उसी तरह जीना चाहती थी। मैं ऐसा कुछ नहीं करना चाहती थी जिससे मेरे माता-पिता नाराज़ हों, और मैं ऐसा कुछ नहीं करना चाहती थी जिससे परमेश्वर अप्रसन्न हो या अन्य लोगों को ठेस पहुंचे। और इसलिए मुझे लगता है कि यह मेरी जिम्मेदारी की भावना है, एक मसीही के रूप में, परमेश्वर के सामने, कि मैं सही काम करना चाहती हूं।

यह दिलचस्प है, जब मैंने पहली बार संगीत में शुरुआत की, तो उन दिनों कोट की फैशन थी, और इसलिए यह ठीक है, क्योंकि, आप जानते हैं, आप कोट के साथ वास्तव में शालीन लग सकते हैं। कोट अभी इतने अच्छे नहीं हैं। आप जानते हैं, फंकी टॉप्स और, कई बार, इन टॉप्स में बहुत सारा अंग दिखाई देता है, एक तरह, जो आप टीवी पर देखते हैं, आप जानते हैं, स्टोर्स पर, और कुछ ऐसा खोजने की कोशिश कर रहे हैं जो मामूली और फंकी हो और मस्त है, लेकिन ऐसा कुछ मिलना मुश्किल होता है।

मेरे पास कुछ दिशानिर्देश हैं जिनका उपयोग मैं उन चीज़ों के लिए करती हूं जो मैं मंच पर और बाहर दोनों जगह पहनती हूं। जिन चीज़ों के बारे में मैं बहुत जागरूक हूं। उनमें से एक यह है कि मैं पैंट पहनना चाहती हूं, विशेष रूप से मंच पर, आप जानते हैं, स्कर्ट में चारों ओर घूमना बहुत मुश्किल होगा, खासकर क्योंकि मैं रॉक संगीत गाती हूं। यह भी सुनिश्चित करती हूं कि मैं जो पहनती हूं वह बहुत तंग नहीं है, जैसे कि हर एक आकार

दिखाना। जैसे, मैंने अभी जो टॉप पहना है, अगर मैं उसे वैसे ही पहनता हूँ, तो वह बहुत, बहुत तंग होगा, लेकिन मैंने उसके नीचे दो शर्ट पहनती हुई हैं, ताकि वह शरीर से चिपका न हो। यह कुछ ऐसा है जो वास्तव में लड़के को गलत रास्ते पर ले जा सकता है। ऐसा होता है, और कुछ साल पहले हमारे युवा समूह में लड़कियों को सम्बोधित कर रहे थे और उन्होंने कहा, "हमारे पास इस युवा समूह में कुछ लोग शिकायत कर हैं कि वे नहीं जानते कि कहां देखें।" आप जानते हैं, वे परमेश्वर की आराधना करने और परमेश्वर के करीब आने के लिए आए हैं, और वे ऐसी लड़कियों को देख रहे हैं जिनके कपड़े इतने तंग हैं और पर्याप्त नहीं हैं, और वे नहीं जानते कि कहां देखें। और इसलिए यह बहुत विचलित करने वाला है। शालीनता इतनी महत्वपूर्ण है। मुझे लगता है कि बहुत सी लड़कियां यह नहीं समझतीं कि आप कैसे कपड़े पहनते हैं और इसका प्रभु में एक भाई पर, लड़कों पर क्या प्रभाव पड़ता है।"

आइए, इस अंश के एक प्रमुख कथन को देखें। रिबेका का कहना है कि वह जिस तरह की चीज़ें पहनती है वह एक "निश्चित प्रकार" के लड़के को आकर्षित करेगी। युवतियों, यदि आप भड़काऊ कपड़े पहनती हैं, तो आप इस तरह के लड़कों को आकर्षित करने वाली हैं। क्या आप चाहते हैं कि ऐसा लड़का आपका पति बने? आप में से कुछ अभी भी अनिश्चित हो सकते हैं। रिबेका जो कहती है वह बहुत बोधगम्य है। अगर किसी को कूल ड्रेस पहनना है और कूल दिखना है, तो वह रिबेका सेंट जेम्स होना चाहिए। वह हज़ारों लोगों के सामने मंच पर गा रही है, कई एल्बमों का निर्माण कर रही है और इसी तरह। मुझे यकीन है कि वह कूल ड्रेस पहनना, कूल दिखना और बड़ी भीड़ को आकर्षित करना पसंद करेगी। लेकिन वह कहती है, *"जिस तरह से मैं कपड़े पहनती हूं, वह इतना महत्वपूर्ण है कि मैं शालीन होना चाहती हूं, क्योंकि मैं अन्य युवा लड़कियों को गुमराह नहीं करना चाहती। और मैं नहीं चाहती कि मेरे भाई जो मसीह में हैं, ठोकर खाएं और वासना में लिप्त हों।"* यहां एक प्रसिद्ध युवा लड़की है जो शालीनता के लिए प्रतिबद्ध है, और उसने एक मसीही के रूप में अपना रवैया बहुत स्पष्ट कर दिया है।

युवतियों, पवित्रता और मर्यादा के प्रति प्रतिबद्ध रहकर आपको संसार की अन्य महिलाओं से अलग होने की ज़रूरत है। यह आपको अपने मित्रों के समूह के बीच "बदसूरत बत्तख" जैसा महसूस करा सकता है, लेकिन बाइबल कहती है कि यह आंतरिक आत्मा की सुंदरता है जिसे परमेश्वर ढूंढ़ रहा है।

1 पतरस 3:3,4

[3] और तुम्हारा सिंगार, दिखावटी न हो, अर्थात बाल गूंथने, और सोने के गहने, या भांति भांति के कपड़े पहिनना।

[4] वरन तुम्हारा छिपा हुआ और गुप्त मनुष्यत्व, नम्रता और मन की दीनता की अविनाशी सजावट से सुसज्ज़ित रहे, क्योंकि परमेश्वर की दृष्टि में इसका मूल्य बड़ा है।

क्या आप परमेश्वर की नज़रों में सुंदर दिखना चाहती हैं या पुरुषों की नज़रों में?

अपना फैसला कर लें!

1 तीमुथियुस 2:8-10

[8] इसलिये मैं चाहता हूँ कि हर जगह पुरुष, बिना क्रोध और विवाद के पवित्र हाथों को उठाकर प्रार्थना किया करें।

[9] वैसे ही स्त्रियाँ भी संकोच और संयम के साथ सुहावने वस्त्रों से अपने आप को संवारे; न कि बाल गूँथने और सोने और मोतियों और बहुमोल कपड़ों से,

[10] पर भले कामों से, क्योंकि परमेश्वर की भक्ति करनेवाली स्त्रियों को यही उचित भी है।

पौलुस एक प्रार्थना-सभा का वर्णन करता है जहां पुरुष अपने पवित्र हाथों को उठाते हैं और स्वर्ग की ओर देखते हैं और अचानक यह कहकर वह अपना विषय बदलता है, *"वैसे ही स्त्रियाँ भी संकोच और संयम के साथ सुहावने वस्त्रों से अपने आप को संवारे।"* पौलुस क्यों स्त्रियों के वस्त्रों के विषय को सम्बोधित करेगा? मुझे संदेह है कि उन दिनों भी यही समस्या थी, जो आज हमारे पास है। पुरुष अपने पवित्र हाथों को उठाकर परमेश्वर की ओर देखते हैं, लेकिन उन्हें और कुछ आकर्षित करता है और नीचे गिरा देता है। और इसलिए पौलुस प्रार्थना करने वाली स्त्रियों को सिखाता है कि वे संकोच और संयम के साथ शालीन वस्त्र पहनकर अपने आपको संवारें।

बाल गूँथने और सोने और मोतियों और बहुमोल कपड़ों से नहीं, परंतु भले कामों से, क्योंकि परमेश्वर की भक्ति करनेवाली स्त्रियों को यही उचित भी है। जवान स्त्रियों, इस तरह शालीनता के साथ वस्त्र पहनें जो आदर को दर्शाते हैं, जो विवेकपूर्ण हैं, जो दिखाता है कि आपमें किसी तरह का संयम है। पौलुस मसीही स्त्रियों के लिए जो मानक निर्धारित करता है वह है इस तरह से वस्त्र पहनना जो भक्तिमानता को घोषित करता और दर्शाता है। आमेन! सो आप वस्त्रों का चुनाव कैसे करते हैं? इन बातों के बारे में सोचें।

- क्या वह भक्तिमानता को जाहीर करता है?
- क्या वह परमेश्वर-सदृश्यता को जाहीर करता है?
- क्या वह धर्मपरायणता का प्रचार करता है?
- क्या वह ईश्वर-भक्ति को जाहीर करता है?

यह वस्त्र के आपके चुनाव को निर्धारित करने पाए।

माता-पिता

रिबेका के माता-पिता का उसके जीवन पर कैसे प्रभाव था देखें। वह प्रसिद्ध व्यक्ति है। परंतु फिर भी, उसके चालनचलन और रहने के ढंग को वे प्रभावित कर सके। अभिभावकों! आपको अपने बच्चों से, जो किशोरावस्था में या बीस की उम्र में हैं, बातें करने की ज़रूरत है। अपनी ज़िम्मेदारी में पीछे न रहें, यह कहकर कि आप उन्हें चर्च भेज रहे हैं, और आशा है कि पास्टर उनसे उन बातों के बारे में पुलपिट से बात करे।

वृद्ध स्त्रियां

तीतुस 2:4,5

4 वे जवान स्त्रियों को चेतावनी देती रहें कि अपने पतियों और बच्चों से प्रीति रखें;
5 और संयमी, पतिव्रता, घर का कारबार करनेवाली, भली, और अपने-अपने पति के अधीन रहनेवाली हों, ताकि परमेश्वर के वचन की निन्दा न होने पाए।

पौलुस वृद्ध स्त्रियों से कहता है कि वे जवान स्त्रियों को शिक्षा दें कि वे संयमी और पतिव्रता हों। "संयमी और पतिव्रता" होने का अर्थ है "संयमी, सदाचारी, शुद्ध, निष्पाप, और पवित्र होना।" यह परमेश्वर का मानक है।

जवान स्त्रियां यह विवाद कर सकती हैं कि कैसे हर एक, जिनमें उनके दोस्त भी शामिल हैं, कम कपड़े पहनकर अंग प्रदर्शन करते हैं, और केवल उन्हें ही क्यों शालीन वस्त्र पहनना है। वे यह भी सोचती होंगी कि इस प्रकार के पहिरावे से यदि पुरुषों को समस्या है, तो यह केवल उनकी समस्या हो सकती है। खैर, नहीं! जवान स्त्रियों को यह सिखाए जाने की ज़रूरत है कि किस प्रकार के वस्त्र वे पहनेंगी, बिल्कुल उसी प्रकार के लड़के को वे आकर्षित करेंगी। इसलिए, यह उनकी समस्या भी बन सकती है। स्त्रियों को ऐसे वस्त्र नहीं पहनना चाहिए जो भड़काऊ हों। उन्हें शालीन और सभ्य वस्त्र पहनना है जो भक्तिमानता को दर्शाते हैं क्योंकि वे ज्योति की पुत्रियां हैं। परमेश्वर का वचन हम सभों को बताता है कि हम ठोकर का कारण न बनें और इसलिए वृद्ध स्त्रियों को ज़रूरत है कि वे जवान स्त्रियों को सिखाएं कि वे ऐसे न बनें।

जवान पुरुष

1 थिस्सलुनीकियों 4:3-5

[3] क्योंकि परमेश्वर की इच्छा यह है, कि तुम पवित्र बनोः अर्थात व्यभिचार से बचे रहो। [4] और तुम में से हर एक पवित्रता और आदर के साथ अपने पात्र को प्राप्त करना जाने। [5] और यह काम अभिलाषा से नहीं, और न उन जातियों की नाईं, जो परमेश्वर को नहीं जानतीं।

परमेश्वर ने हमें अमरता के लिए नहीं बुलाया, परंतु पवित्रता के लिए बुलाया है। *"क्योंकि परमेश्वर की इच्छा यह है, कि तुम पवित्र बनो"*—आपको परमेश्वर के लिए अलग किया गया है। और जवान लोग जिस बड़ी चुनौती का सामना कर सकते हैं, वह है आंखों की अभिलाषा।

1 थिस्सलुनीकियों 5:22
सब प्रकार की बुराई से बचे रहो।

बुराई के हर स्वरूप से दूर रहें। उदाहरण के तौर पर, मैं स्वीकार करता हूं कि बैंगलोर की सड़कों पर गाड़ी चलाना बहुत मुश्किल है। कार में स्तुति और आराधना के गीत बजते होंगे ताकि गाड़ी चलाते समय आपके

लिए परमेश्वर के साथ वार्तालाप स्थापित करने हेतु वातावरण तैयार हो सके, लेकिन रास्ते से गाड़ी चलाते समय आप एक छोटी सी कार के पास कम कपड़े पहनी हुई महिला का बड़ा सा विज्ञापन देखते हैं। आप सोचते हैं कि वे कार बेच रहे हैं या लड़की! फिर भी आपके सामने से आने वाली बस से टकराने के डर से आप अपनी आंखों को बंद करने का साहस नहीं कर पाते!

हम नई सुर्खियों को पढ़ने के लिए हमारे सुबह के कुछ अखबारों को खोलते हैं, तब सबसे पहली चीज़ जो हम देखते हैं, वह सुर्खियां नहीं, लेकिन हर पन्ने पर कम वस्त्र पहनी हुई स्त्रियां होती हैं। इसलिए हम सोचते हैं कि हम दूसरा अखबार शुरू करेंगे, लेकिन पता चलता है कि हर अखबार दूसरे के साथ होड़ लगाए हुए है! सो हम अखबार खरीदना बंद कर देते हैं और इंटरनेट पर समाचार पढ़ने का निर्णय लेते हैं। हम बड़ी मासूमियत से लिंक खोलते हैं, लेकिन परिणाम वही है, क्योंकि हर स्थान में अश्लीलता फैली हुई है। सो, हमें क्या करना चाहिए?

इस कोरस को याद रखें जो हम सण्डे स्कूल में गाया करते थेः

खबरदार छोटी आंख क्या देखती
खबरदार छोटी आंख क्या देखती
क्योंकि तेरा बाप आसमान से
देखा बड़े प्यार से
खबरदार छोटी आंख क्या देखती

संडेस्कूल में सिखाई जाने वाली बातें अक्सर बहुत गहरी होती हैं। उन शिक्षाओं के स्वरूप लगभग भविष्यसूचक प्रतीत होते हैं, क्योंकि वे इस बात के संकेत हैं कि हमें क्या सामना करना पड़ेगा, यहां तक कि 50 साल बाद भी।

हमें अपने आप से कहते रहना चाहिए कि हम ज्योति की संतान हैं। हम पहली नज़र को तो नहीं रोक सकते, लेकिन दूसरी नज़र से ज़रूर बच

सकते हैं। हो सकता है कि हमें पता न हो कि वहां विज्ञापन लगा है और इसलिए हमने देखा होगा, लेकिन अगर हम विज्ञापन के पास से होकर जाते हैं, और फिर दूसरी नज़र के लिए मुड़ते हैं, तो हम में समस्या है। हमें अपने जीवन में पवित्रता और शालीनता के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए क्योंकि हम ज्योति की संतान हैं और इसलिए हम दूसरी नज़र से इनकार करते हैं। आमेन!

- **माता-पिता,** आपको अपने बच्चों से जो जवानी की सीढ़ी पर हैं, बात करने की आवश्यकता है। ऐसा कहकर अपनी जिम्मेदारी से बचने का प्रयास न करें कि हम उन्हें कलीसिया में भेजेंगे शायद पास्टर पुलपिट से इन विषयों पर बात करेंगे।
- **पौलुस वृद्ध महिलाओं,** से कहता है कि वे जवान स्त्रियों को चेतावनी दें कि वे "संयमी और पतिव्रता" हों, इसका अर्थ है कि वे शालीन, गुणी, साफ़, निर्दोष और पवित्र हों। यह परमेश्वर का स्तर है।
- **युवक,** परमेश्वर ने हमें व्यभिचार के लिए नहीं परन्तु पवित्रता के लिए बुलाया है। *"क्योंकि यह परमेश्वर की इच्छा है कि तुम पवित्र बनो"* तुम परमेश्वर के लिए अलग किए गए हो।

डेटिंग के लिए मानक

युवा लोग

जब आप डेटिंग कर रहे हों, तो शारीरिक रूप से शामिल होने और उन जगहों पर जाने से बचें, जहां आप उन चीज़ों को करने की संभावना रखते हैं, जिनके बारे में आप नहीं चाहते कि दूसरों को पता चले। सिर्फ आप दोनों, अकेले रहने से बचें, रहने से बचें, और वह भी बंद दरवाजों के पीछे। आप जानते हैं कि हर कोई शारीरिक रूप से शामिल हो सकता है, लेकिन याद रखें कि आप अलग हैं। आप अपने जीवन में शुद्धता के प्रति समर्पित हैं।

माता-पिता

माता-पिता को जागने की ज़रूरत है। आपको अपने किशोरावस्था और बीस की उम्र में पहुंच चुके बच्चों से बात करने की आवश्यकता है। आप अपने बेटे या बेटी को सलाह देने के लिए पासवान से मदद मांग सकते हैं, लेकिन पासवान से या कलीसिया से यह अपेक्षा न करें कि वह वह करे जिसके लिए परमेश्वर ने आपको जिम्मेदार ठहराया है। जब तक आपके बच्चे आपकी छत के नीचे रह रहे हैं और आपकी मेज से खा रहे हैं, आप मालिक हैं। कलीसिया उन्हें परमेश्वर का वचन सिखाएगी, उन्हें पवित्र आत्मा से भरने की कोशिश करेगी, और मसीह में परिपक्व होने में सहायता करेगी, लेकिन माता-पिता के रूप में वे आपकी जिम्मेदारी हैं।

उदाहरण के लिए, यदि आपका बेटा अपने कॉलेज से किसी लड़की को घर लाता है और आपके बैठक के कमरे में जाने के बजाय, वे आपके बेटे के कमरे में जाने का विकल्प चुनते हैं, और दरवाजा बंद कर देते हैं। आप लड़की के लिए एक कप चाय बनाने में व्यस्त हो सकते हैं, लेकिन अगर आप उन्हें एक बंद कमरे में अकेले पाते हैं, तो कृपया उस दरवाजे पर दस्तक दें, उन्हें उस कमरे से बाहर निकाल दें, क्योंकि आपके घर में बंद दरवाजों के पीछे उनका कोई काम नहीं है। यदि आप ऐसा करते हैं, तो आप चिंतित हो सकते हैं कि आपका बेटा अगले दिन आपके घर वापस नहीं आएगा। आप उसके व्यवहार को यह कहते हुए क्षमा कर सकते हैं कि वह विश्वासपूर्वक गिरजाघर जाता है, सभी युवा सभाओं में जाता है, वह एक बहुत ही भक्तिमान लड़का है, और इसलिए हो सकता है कि वह अंदर कुछ भी गलत नहीं कर रहा हो।

माता-पिता, याद रखें कि आपके जवान बच्चों में हार्मोन्स होते हैं। और हम चर्च में लोगों के "हार्मोन निकाल" नहीं देते! इसलिए जबकि यह सच हो सकता है कि आपके बच्चे विश्वासपूर्वक चर्च जा रहे हैं, आप घर पर उनके लिए जिम्मेदार हैं। आपको पवित्रता और शालीनता के मानकों को लागू करना होगा जो बाइबल हम मसीहियों से मांगती है। चर्च उन्हें सही और गलत के बारे में बताकर अपनी भूमिका निभाएगा। लेकिन जब

आप अपने बच्चों को विपरीत लिंग के सदस्य के साथ बंद दरवाजों के पीछे बैठने की अनुमति देते हैं, तो कमज़ोरी के एक क्षण में, उनके हार्मोन्स उन सभी उपदेशों को जो उन्होंने चर्च में कभी सुने हैं और सभी प्रार्थनापूर्ण हाथ जो उनके सिर पर रखे गए हैं, दूर कर सकते हैं। जब अपने बच्चों के साथ व्यवहार करने की बात आती है तो माता-पिता को सख्ती से काम लेना चाहिए अन्यथा आपको एक दिन एहसास होगा कि आप अपने घर में ईश्वरीय मानकों को स्थापित करने में विफल रहे हैं।

विवाहित युगल

विवाहित जोड़ों के रूप में, हमें अपने जीवन में पवित्रता बनाए रखने की आवश्यकता है। पति-पत्नी को एक-दूसरे के प्रति समर्पित रहना चाहिए। हम मसीही ज्योति के लोग हैं! हमें अपने स्वयं के विवाहों में यौन शुद्धता और शालीनता के प्रति समर्पित रहना चाहिए। पतियों और पत्नियों, अपनी यौन ज़रूरतों को अपने विवाह जीवन के अंतर्गत पूरा करें। बाहर देखने से इंकार करें। दुनिया में दूसरे लोग यौन संतुष्टि के लिए बाहर देख सकते हैं, लेकिन हम अलग हैं। बाइबल कहती है,

1 पतरस 2:9

"पर तुम एक चुना हुआ वंश, और राज-पदधारी याजकों का समाज, और पवित्र लोग, और (परमेश्वर की) निज प्रजा हो, इसलिये कि जिस ने तुम्हें अन्धकार में से अपनी अद्‌भुत ज्योति में बुलाया है, उसके गुण प्रगट करो"

आपको और मुझे अंधकार से ज्योति के लोगों के रूप में जीने के लिए बुलाया गया है। बाइबल कहती है कि हम प्रकाश हैं और इसलिए हमें ज्योति की संतानों की तरह चलना चाहिए। हमें अपने आसपास की दुनिया से मौलिक रूप से अलग होना होगा। हमारे कार्यस्थल या व्यवसाय में, एक कर्मचारी के रूप में, एक नियोक्ता के रूप में, एक गृहिणी के रूप में, हमें अपने आसपास के लोगों से मौलिक रूप से अलग होना चाहिए, क्योंकि परमेश्वर हमसे यही चाहता है। एक जवान पुरुष, जवान स्त्री, माता-पिता, पति, पत्नी के रूप में हम अलग हैं। हम अपने जीवन में शुद्धता के लिए

प्रतिबद्ध हैं और इसमें कोई समझौता नहीं है। समझौता हमेशा कैद की ओर ले जाता है। जिस दिन हम अपने जीवन में समझौता करना शुरू कर देंगे, हम सुनिश्चित हो सकते हैं कि हम अपनी ही बंदिगृह में बंद होंगे।

क्या आप उस परमेश्वर को जानते हैं जो आपसे प्रेम करता है?

दो हज़ार साल पहले, परमेश्वर इस संसार में मनुष्य बनकर आया। उसका नाम यीशु है। उसने पूर्ण रूप से निष्पाप जीवन बिताया। यीशु देहधारी परमेश्वर था, इसलिए जो कुछ उसने कहा और किया, उसके द्वारा उसने परमेश्वर को हम पर प्रकट किया। जिन वचनों को उसने कहा, वे परमेश्वर के वचन थे। जिन कामों को उसने किया, परमेश्वर के कार्य थे। यीशु ने इस पृथ्वी पर कई सामर्थ के काम किए। उसने बीमारों को और पीड़ितों को चंगा किया। उसने अन्धों की आंखें खोलीं, बहरे कानों को खोल दिया, लंगड़े चलने लगे। उसने हर प्रकार के रोगों और बीमारियों को चंगा किया। उसने आश्चर्यजनक रूप से कुछ ही रोटियां बहुगुणित कर भूखों को खिलायी, आंधी को थामा और कई आश्चर्यकर्म किए।

ये सारे कार्य हमें दिखाते हैं कि यीशु अच्छा परमेश्वर है, जो चाहता है कि उसके लोग भले, चंगे स्वस्थ और खुश रहें। परमेश्वर लोगों की ज़रूरतों को पूरा करना चाहता है।

फिर परमेश्वर ने क्यों मनुष्य बनने का और हमारे संसार में आने का निर्णय लिया? यीशु क्यों आया?

हम सबने पाप किया है और ऐसे कामों को किया है जो हमें उत्पन्न करने वाले परमेश्वर के सम्मुख अस्वीकृत हैं। पाप के परिणाम हैं। पाप परमेश्वर और हमारे बीच एक ऊंची दीवार है जिसे हम लांघ नहीं सकते। पाप हमें परमेश्वर से अलग करता है। वह हमें उस परमेश्वर को जानने और उसके साथ, जिसने हमें बनाया है, अर्थपूर्ण रिश्ता बनाए रखने से रोकता है। इसलिए, हम में से कई लोग अन्य बातों का सहारा लेकर इस खालीपन को भरने की कोशिश करते हैं।

हमारे पापों का अन्य परिणाम है। परमेश्वर से अनंतकाल तक अलगाव। परमेश्वर की अदालत में, पाप का दण्ड मृत्यु है। मृत्यु परमेश्वर से दूर नर्क में अनंतकाल का अलगाव है।

परंतु सुसमाचार यह है कि हम पाप से मुक्ति पाकर परमेश्वर से फिर मेल कर सकते हैं। बाइबल कहती है, ***"क्योंकि पाप की मजदूरी तो मृत्यु है, परन्तु परमेश्वर का वरदान हमारे प्रभु मसीह यीशु में अनन्त जीवन है"*** **(रोमियों 6:23)।** यीशु ने सम्पूर्ण जगत के पापों का दण्ड सहा, वह क्रूस पर मर गया। फिर तीसरे दिन वह जी उठा, और उसने कइयों को खुद को जीवित दिखाया और वह स्वर्ग पर चढ़ गया।

परमेश्वर प्रेमी और दयालु है। वह नहीं चाहता कि हममें से कोई व्यक्ति नर्क में नाश हो। और इसलिए वह सम्पूर्ण मानवजाति को पापों और उसके परिणामों से मुक्ति

का मार्ग दिखाने के लिए आया। वह पापियों को बचाने के लिए आया—आपके और मेरे जैसे लोगों को पाप और अनंतकाल की मृत्यु से बचाने के लिए।

पापों की यह मुफ्त क्षमा पाने के लिए बाइबल हमें बताती है कि हमें केवल एक काम करना है—जो कुछ प्रभु यीशु मसीह ने क्रूस पर किया उसे ग्रहण करना और उस पर सम्पूर्ण हृदय से विश्वास करना।

"जो कोई उस पर विश्वास करेगा, उसको उसके नाम के द्वारा पापों की क्षमा मिलेगी" **(प्रेरितों के काम 10:43)।**

"कि यदि तू अपने मुंह से यीशु को प्रभु जानकर अंगीकार करे और अपने मन से विश्वास करे कि परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया, तो तू निश्चय उद्धार पाएगा" **(रोमियों 10:9)।**

यदि आप प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करेंगे, तो आप भी पापों की क्षमा और शुद्धता पा सकते हैं।

प्रभु यीशु मसीह में और जो कुछ उसने आपके लिए क्रूस पर किया उस पर विश्वास करने हेतु निर्णय लेने में आपकी सहायता करने के लिए यहां एक सरल प्रार्थना दी गई है। इस प्रार्थना की सहायता से आप जो कुछ यीशु ने आपके लिए किया, उसे ग्रहण कर सकते हैं और क्षमा और पापों से शुद्धि पा सकते हैं। यह प्रार्थना मात्र मार्गदर्शन के लिए है। आप अपने शब्दों में भी प्रार्थना कर सकते हैं।

प्रिय प्रभु यीशु, जो कुछ आपने क्रूस पर किया उसे मैंने आज समझा है। आप मेरे लिए मर गए, आपने मेरे लिए बहुमूल्य लहू बहाया और मेरे पापों का दण्ड चुकाया, ताकि मुझे क्षमा मिल सके। बाइबल बताती है कि जो कोई आप पर विश्वास करेगा वह अपने पापों से क्षमा पाएगा।

आज, मैं आप में विश्वास करने का और क्रूस पर मेरे लिए मरकर और फिर मरे हुओं में से जी उठकर जो कुछ आपने मेरे लिए किया उसे ग्रहण करने का निर्णय लेता हूं। मैं जानता हूं कि मैं अपने भले कामों से खुद को बचा नहीं सकता, न ही और कोई मनुष्य मुझे बचा सकता है। मैं अपने पापों की क्षमा मोल नहीं ले सकता।

आज, मैं अपने हृदय में विश्वास करता हूं और अपने मुंह से कहता हूं कि आप मेरे लिए मर गए, आपने मेरे पापों का दण्ड चुकता किया। आप फिर मरे हुओं में से जी उठे, और आपमें विश्वास करने के द्वारा, मैं पापों की क्षमा और मेरे पापों से शुद्धता पा सकता हूं।

धन्यवाद यीशु। आपसे प्रेम करने, आपको अधिकाई से जानने और आपके प्रति विश्वासयोग्य रहने में मेरी सहायता कीजिए। आमीन।

ऑल पीपल्स चर्च के विषय में

ऑल पीपल्स चर्च (एपीसी) का दर्शन बैंगलोर शहर में नमक और ज्योति, और भारत देश और संसार के राष्ट्रों के लिए एक आवाज़ बनना है।

आल पीपल्स चर्च यीशु से **प्रेम रखने वाली, वचन पर केन्द्रित, आत्मा से भरपूर** परिवारिक कलीसिया, एक प्रशिक्षण संस्थान, मिशन आधार, संसार में सुसमाचार करने वाली कलीसिया है

- एक **पारिवारिक कलीसिया** के रूप में, हम मसीह केंद्रित संगति में एक समुदाय के रूप में एक साथ बढ़ते हैं, परमेश्वर की मण्डली के रूप में प्रेम में एक दूसरे की देखभाल और सेवा करते हैं।
- एक **सुसज्जित करने वाले केंद्र** के रूप में, हम प्रत्येक विश्वासी को विजयी रूप से जीने, मसीह की समानता में परिपक्व होने और उनके जीवनों के लिए परमेश्वर के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए सामर्थी बनाते हैं और सुसज्जित करते हैं।
- एक **मिशन के आधार** के रूप में, हम अपने शहर, राष्ट्र और राष्ट्रों को परमेश्वर के वचन और पवित्र आत्मा की सामर्थ के अलौकिक प्रदर्शनों के माध्यम से यीशु मसीह के पूर्ण सुसमाचार के साथ आशीष देने के लिए सार्थक सेवकाई में संलग्न हैं।
- एक **विश्व सुसमाचार प्रचारक** के रूप में, हम ईश्वरीय अगुवों और आत्मा से भरी कलीसियाओं का पोषण करके स्थानीय और विश्व स्तर पर सेवा करते हैं जो परमेश्वर के राज्य के लिए उनके क्षेत्रों को प्रभावित कर सकते हैं।

एपीसी में हम परमेश्वर का सम्पूर्ण वचन बिना किसी समझौता के साथ पवित्र आत्मा के अभिषेक और प्रकाशन के साथ प्रस्तुत करने के प्रति समर्पित हैं। हमारा विश्वास है कि अच्छा संगीत, रचनात्मक प्रस्तुति, बुद्धिमानीपूर्ण पक्ष समर्थन, समकालीन सेवकाई की तकनीकें, आधुनिक तंत्रविज्ञान आदि पवित्र आत्मा के चिन्हों, चमत्कारों, आश्चर्यकर्मों और पवित्र आत्मा के वरदानों के साथ वचन की घोषणा करने की परमेश्वर द्वारा नियुक्त पद्धति का स्थान नहीं ले सकते (1 कुरिन्थियों 2:4,5; इब्रानियों 2:3,4)। हमारा विषय यीशु है, हमारी विषयवस्तु वचन है, हमारी पद्धति पवित्र आत्मा की सामर्थ है, हमारा आवेश लोग हैं, और हमारा लक्ष्य मसीह सदृश्य परिपक्वता है।

हमारा मुख्यालय बैंगलोर में है, परंतु ऑल पीपल्स चर्च की भारत की अन्य कई स्थानों में शाखाएं हैं। ऑल पीपल्स चर्च की वर्तमान सूची और सम्पर्क सूचना के लिए कृपया हमारी वेबसाईट का अनुसरण करें: **apcwo.org/locations** या इस पते पर ई-मेल भेजें: **contact@apcwo.org**

निःशुल्क प्रकाशन

A Church in Revival
A Real Place Called Heaven
A Time for Every Purpose
Ancient Landmarks
Baptism in the Holy Spirit
Being Spiritually Minded and Earthly Wise
Biblical Attitude Towards Work
Breaking Personal and Generational Bondages
Change
Code of Honor
Divine Favor
Divine Order in the Citywide Church
Don't Compromise Your Calling
Don't Lose Hope
Equipping the Saints
Foundations (Track 1)
Fulfilling God's Purpose for Your Life
Gifts of the Holy Spirit
Giving Birth to the Purposes of God
God Is a Good God
God's Word—The Miracle Seed
How to Help Your Pastor
Integrity
Kingdom Builders
Laying the Axe to the Root
Living Life Without Strife
Marriage and Family
Ministering Healing and Deliverance
Offenses–Don't Take Them
Open Heavens
Our Redemption
Receiving God's Guidance
Revivals, Visitations and Moves of God
Shhh! No Gossip!
Speak Your Faith
The Conquest of the Mind
The Father's Love
The House of God
The Kingdom of God
The Mighty Name of Jesus
The Night Seasons of Life
The Power of Commitment
The Presence of God
The Redemptive Heart of God
The Refiner's Fire
The Spirit of Wisdom, Revelation and Power
The Wonderful Benefits of Speaking in Tongues
Timeless Principles for the Workplace
Understanding the Prophetic
Water Baptism
We Are Different
Who We Are in Christ
Women in the Workplace
Work Its Original Design

नई पुस्तकें नियमित रूप से प्रकाशित की जाती हैं। पी. डी. एफ., आडियो तथा अन्य फॉर्मेट में निःशुल्क ए. पी. सी. पुस्तकों को डाऊन लोड करने हेतु कृपया **apcwo.org/books** को भेंट दें। इनमें से कई पुस्तकें अन्य भाषाओं में भी उपलब्ध हैं। वैसे ही, निःशुल्क ऑडियो और वीडियो संदेशों, संदेश की टिप्पणियों, और अन्य कई संसाधनों के लिए हमारे वेबसाईट **apcwo.org/sermons** को भेंट दें।

क्रिसलिस काउंसलिंग

क्रिसलिस काउंसलिंग लोगों को जीवन की चुनौतियों का सामना करने और उन्हें दूर करने में मदद करने हेतु व्यक्तिगत परामर्श प्रदान करता है। क्रिसलिस काउंसलिंग व्यावसायिक तौर प्रशिक्षित और अनुभवी मसीही सलाहकारों की एक टीम है।

हमारी सेवाएं सभी आयु समूहों के लिए हैं और जीवन की चुनौतियों की एक विस्तृत श्रृंखला का समाधान करती हैं।

किशोरों
व्यक्तिगत समायोजन
संबंधपरक चुनौतियां
शिक्षा में कम सफलता पाने वाले
कार्य संबंधित मुद्दे
परिवार / दम्पत्तिः विवाह पूर्व, वैवाहिक
माता-पिता / बच्चे / भाई-बहन / सहकर्मी
व्यवहार सम्बंधी विकार
व्यक्तित्व विकार
मनोवैज्ञानिक / भावनात्मक समस्याएं
तनाव / आघात
शराब / नशीली दवाओं का गलत इस्तेमाल
आत्मिक समस्याएं
ज़िंदगी की सीख

क्रिसलिस काउंसलिंग सेवाओं के लिए शुल्क सस्ती और सुलभ है।

हमारे प्रशिक्षित सलाहकारों में से किसी एक के साथ मुलाकात तय करने के लिएः

Website: chrysalislife.org
Phone: +91-80-25452617 or toll-free (within India) 1-800-300-00998
Email: counselor@chrysalislife.org

क्रिसलिस काउंसलिंग ऑल पीपल्स चर्च एंड वर्ल्ड आउटरीच की सेवकाई है।

ऑल पीपल्स चर्च के साथ साझेदारी करें

ऑल पीपल्स चर्च स्थानीय कलीसिया के रूप में सम्पूर्ण भारत में सुसमाचार प्रचार करते हुए, विशेषकर उत्तर भारत में, उसकी सीमाओं से परे सेवा करता है। उसका विशेष लक्ष्य (अ) अगुवों को दृढ़ करना, (आ) जवानों को सेवकाई के लिए सुसज्जित करना और (इ) मसीह की देह की उन्नति करना है। जवानों के लिए कई प्रशिक्षण सम्मेलन, 'मसीही अगुवों के लिए सभाओं' का सम्पूर्ण वर्ष भर आयोजन किया जाता है। इसके अतिरिक्त, पुस्तकों की कई हजारों प्रतियां अंग्रेजी में और अन्य कई भारतीय भाषाओं में निःशुल्क वितरीत की जाती हैं, उसके पीछे उद्देश्य यह है कि विश्वासियों को वचन और आत्मा में उन्नति प्रदान करें।

हम आपको निमंत्रण देते हैं कि एक समय का दान भेजकर या मासिक आर्थिक दान भेजकर आर्थिक रूप से हमारे साथ साझेदारी करें। सम्पूर्ण राष्ट्र में इस का कार्य के लिए जो भी रकम आप भेज सकते हैं, उसके लिए हम आपके प्रति कृतज्ञ रहेंगे।

आप अपने दान चेक/बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से "ऑल पीपल्स चर्च," बैंगलोर के नाम पर हमारे कार्यालय के पते पर भेज सकते हैं। अन्यथा हमारे बैंक खाते के विवरण का उपयोग कर आप अपना योगदान सीधे बैंक में डाल सकते हैं।

Account Name: All Peoples Church
Account Number: 50200068829058
IFSC Code: HDFC0004367
Bank: HDFC Bank, 7M/308 80 Ft Road, HRBR Layout, Kalyan Nagar, Bengaluru, 560043, Karnataka

कृपया ध्यान दें: *ऑल पीपल्स चर्च केवल भारतीय नागरिकों के बैंक योगदान ही स्वीकार कर सकता है। यदि आप चाहते हैं तो, अपना दान भेजते समय, स्पष्ट रूप से लिखें कि आप एपीसी सेवकाई के किस क्षेत्र के लिए दान भेजना चाहते हैं। अतिरिक्त जानकारी के लिए कृपया इस स्थान को भेंट दें:* **apcwo.org/give**

उसी तरह, हमारे लिए और हमारी सेवकाई के लिए जब भी हो सके, प्रार्थना करना न भूलें।

धन्यवाद और परमेश्वर आपको आशीष दे!

DOWNLOAD THE FREE APP!

Search for
"All Peoples Church Bangalore"
in the App or Google play stores.

Available on the App Store

ANDROID APP ON Google play

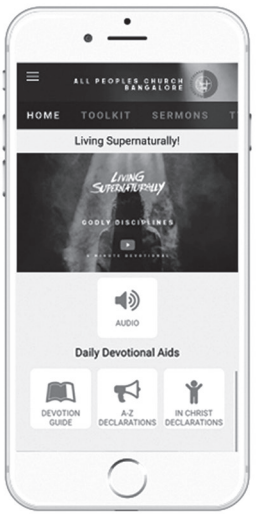

A daily 5-minute video devotional.
A daily Bible reading and prayer guide.
5-minute Sermon summary.
Toolkit with Scriptures on various topics to build faith and information to share the Gospel.
Resources with sermons, sermon notes, TV programs, books, music and more.

IF YOU LOVE IT, TELL OTHERS ABOUT IT!

ऑल पीपल्स चर्च बाइबल कॉलेज एंड वर्ल्ड आउटरीच

apcbiblecollege.org

ऑल पीपल्स चर्च बाइबल कॉलेज और सेवा प्रशिक्षण केंद्र (एपीसी-बीसी) भारत के बैंगलोर में आत्मा से परिपूर्ण, अभिषिक्त, सक्रिय सेवकाई में सहभागी प्रशिक्षण और सिद्धांत की दृष्टि से सही एवं परमेश्वर के वचन के बौद्धिक दृष्टि से प्रेरणादायक अध्ययन के साथ पवित्र आत्मा की अलौकिक सामर्थ में सेवकाई के लिए तैयारी प्रदान करता है। हम सेवकाई के लिए सम्पूर्ण व्यक्तित्व के विकास में विश्वास करते हैं और ईश्वरीय चरित्र, परमेश्वर के वचन में गहरी बुनियाद, और चिन्ह, चमत्कारों और आश्चर्यकर्मों पर ज़ोर देते हैं—सब कुछ प्रभु के साथ निकट रिश्ते से प्रवाहित होता हुआ।

ऑल पीपल्स चर्च बाइबल कॉलेज (एपीसी-बीसी) में सही शिक्षा के अतिरिक्त, हम प्रत्यक्ष रूप से परमेश्वर के प्रेम, पवित्र आत्मा का अभिषेक और उपस्थिति और परमेश्वर के अलौकिक कार्य पर बल देते हैं। कई युवा स्त्री और पुरुषों ने प्रशिक्षण पाया है और उनके जीवनों में परमेश्वर की बुलाहट को पूरा करने हेतु उन्हें बाहर भेजा गया है।

निम्नलिखित तीन पदवियां दी जाती हैं:

- ईश्वर विज्ञान और मसीही सेवकाई में एक वर्षीय प्रमाणपत्र (सी.टी.एच.)
- ईश्वर विज्ञान और मसीही सेवकाई में दो वर्षीय डिप्लोमा (डी.टी.एच.)
- ईश्वर विज्ञान और मसीही सेवकाई में तीन वर्षीय स्नातक (बी.टी.एच.)

हर सप्ताह के दिन, **सोमवार से शुक्रवार तक भारतीय समय के अनुसार सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक (UTC+5:30)** कक्षाएं ली जाती हैं।

- **ऑन-कैंपस:** कैंपस में व्यक्तिगत कक्षाओं में भाग लें
- **ऑनलाइन:** ऑनलाइन लाइव व्याख्यान में भाग लें
- **ई-लर्निंग:** ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्वयं कि गति से सीखने के लिए **apcbiblecollege.org/elearn**

ऑनलाइन आवेदन करने के लिए, और कॉलेज, पाठ्यक्रम, पात्रता मानदंड, शिक्षण शुल्क और आवेदन पत्र डाउनलोड करने के बारे में अधिक जानकारी केलिए, कृपया इस वेबसाइट को भेंट दें: **apcbiblecollege.org**

आप और मैं परमेश्वर के "विशेष लोग हैं।" यदि आप मसीही—विश्वासी हैं—तो आप योग्यता रखते हैं! बाइबल समझाती है कि "हम चुना हुआ वंश, और राज-पदधारी याजकों का समाज, और पवित्र लोग, ओर निज प्रजा है" (1 पतरस 2:9)। क्योंकि हमें उसके गुण प्रगट करना है, घोषित करना है, और जाहीर करना है, जिसने हमें अंधकार से अपनी अद्‌भुत ज्योति में लाया।

इसलिए, जब लोग हम मसीहियों को देखते हैं, तब उन्हें यह देखने की जरूरत है कि वह परमेश्वर जिसने हमें बुलाया है, कितना अद्‌भुत, गुणवान, सिद्ध, और महान है।

आप और मैं यहां पृथ्वी पर परमेश्वर को अच्छा दिखाने के लिए हैं!

हम भिन्न हैं!

All Peoples Church & World Outreach
319, 2nd Floor, 7th Main, HRBR Layout,
2nd Block, Kalyan Nagar, Bangalore 560 043
Karnataka, INDIA

Phone: +91-80-25452617
Email: contact@apcwo.org
Website: apcwo.org